

प्रो.(डॉ.) दलजीत सिंह गम्भीर

Prof. (Dr.) Daljeet Singh Gambhir



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

प्रो.(डॉ.) दलजीत सिंह गम्भीर

प्रो.(डॉ.) दलजीत सिंह गम्भीर, कैलाश ग्रुप ऑफ हास्पिटल्स, नई दिल्ली एवं नोएडा के हृदय विज्ञान के ग्रुप निदेशक हैं और आप भारत के हृदय विज्ञान के क्षेत्र में विशिष्ट व्यक्तित्व में से एक हैं।

2. आपका जन्म 20 दिसम्बर, 1949 को हुआ था और आपने अपनी चिकित्सा डिग्री (डी एम) प्राप्त करने के पश्चात 1985 में सहायक प्राध्यापक के तौर पर हृदय विज्ञान विभाग, जी बी पंत अस्पताल, नई दिल्ली के साथ जुड़ गए तथा 44 वर्ष की युवा आयु में आप प्राध्यापक के पद तक पहुंच गए। आप इंटरवेंशन कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में उन अग्रणी व्यक्तियों में है जिन्होंने 12,000 से अधिक कोरोनरी इंटरवेंशन को अंजाम दिया है। आपने भारत तथा दुनिया भर में विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों में लाइव प्रदर्शन करते हुए इंटरवेंशनल कार्डियोलोजी के क्षेत्र में बड़ी संख्या में चिकित्सकों को प्रशिक्षण प्रदान किया है।

3. आपको कोरोनरी इंटरवेंशन के क्षेत्र में इस देश में पहली बार ऐसे कई कार्य करने का श्रेय प्राप्त है जिसमें स्टेंट प्रत्यारोपण, एथेरेक्टोमिस, धमनियों से रूकावट को हटाने के लिए रोटेब्लेशन तथा मुख्य रक्त धमनी रूकावट के लिए इंटरवेंशन शामिल है। आप भारत के चिकित्सा वैज्ञानिकों के समूह के साथ मिलकर 2002 में एक औषधि–लेपित (ड्रग कोटेड) स्टेंट विकसित करने वाले प्रथम भारतीय हृदय विज्ञानी रहे हैं। पेरिस में इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट की विश्व की सबसे बड़ी बैठक में नए भारतीय औषधि लेपित स्टेंट पर चिकित्सा संबंधी आंकड़ों के प्रदर्शन से आपने न केवल अत्यंत सराहना प्राप्त की अपितु भारत को भी सम्मान प्रदान किया जिसके फलस्वरूप भारत ने अमेरिका के पश्चात इस यंत्र को विकसित करने वाले दूसरे देश के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त की है।

4. आप एक समर्पित शिक्षक तथा कर्मठ अनुसंधानकर्ता हैं। आपने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओं में 110 से अधिक मूल शोध–पत्र प्रकाशित किए हैं तथा 2002 में भारतीय हृदय विज्ञानी समाज के तत्वाधान में 'कार्डियोलोजी अपडेट' को संपादित करते हुए विभिन्न पाठ्य पुस्तकों में अध्याय के रूप में भी योगदान दिया है। आप छह वर्ष (1995–2000) तक इंडियन हार्ट जर्नल के माननीय सम्पादक तथा विभिन्न सूचीबद्ध अंतराष्ट्रीय हृदयविज्ञान संबंधी ज़र्नलों के सम्पादक मंडल के तौर पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वर्ष 2002 में आपको निर्विरोध रूप से भारतीय हृदय विज्ञानी सोसायटी के अध्यक्ष के तौर पर चुना गया। आप भारतीय हृदय विज्ञान महाविद्यालय के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं और वर्ष 2007–08 में इसके अध्यक्ष का पद भी आसीन हुए हैं।

5. हृदयविज्ञान के क्षेत्र में आपके महत्वपूर्ण योगदान के लिए आपको राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (एफ ए एम एस 2003), भारतीय हृदयविज्ञान महाविद्यालय (एफ आई सी सी –2005), भारतीय हृदयविज्ञानी सोसायटी (एफ सी एस आई, 2006) तथा एशियाई हृदय विज्ञान पैसिफिक सोसायटी (2007) की मानद फैलोशिप, भी प्रदान की गई। आपको फैलोशिप ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलोजी(एफ ए सी सी, 2008) तथा फैलोशिप ऑफ सोसाइटी फॉर कार्डियोवास्कुलर एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन (एस सी ए आई, यू एस ए 2009) से भी सम्मानित किया गया है।

6. आपको विभिन्न व्यावसायिक तथा सामाजिक संगठनों से भी अनेक सम्मान तथा पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिनमें दिल्ली सरकार से राज्य पुरस्कार, दिल्ली चिकित्सा संघ से "लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार, भारतीय हृदयविज्ञानी सोसायटी से सर्ली पुरस्कार तथा आई एम ए की विभिन्न अन्य राज्य शाखाओं के पुरस्कार शामिल हैं। आपको भारतीय मूल के अमेरिकी हृदयविज्ञानी संघ, यू एस ए (2002) की तरफ से "विशिष्ट फिजिशियन पुरस्कार" भी प्रदान किया गया है।

Prof. (Dr.) Daljeet Singh Gambhir

Prof. (Dr.) Daljeet Singh Gambhir, Group Director of Cardiology, Kailash Group of Hospitals, New Delhi & Noida, is one of the icons in the field of cardiology in India.

2. Born on December 20, 1949, Prof. Gambhir obtained his doctorate degree (DM) and joined the Department of Cardiology, G.B. Pant Hospital, New Delhi as Asstt. Professor in 1985 and then rose to the position of Professor at the young age of 44 years. He is one of the pioneers in the field of interventional cardiology, having performed more than 12,000 coronary interventions. He has trained a large number of doctors in the field of interventional cardiology by performing Live Demonstrations in several teaching courses in India and across the world.

3. Prof. Gambhir has many firsts to his credit in the field of coronary interventions in our country, including stent implantation, atherectomies, rotablation for removal of obstruction from the arteries and interventions for the main coronary artery blockage. He was the first Indian Cardiologist to develop a drug-coated stent in 2002, in collaboration with a group of clinical scientists from India. Presentation of clinical data on this new indigenous drug-coated stent, in one of the world's largest meetings of interventional cardiologists in Paris, not only won him great appreciation but also brought laurels to India, which earned the reputation of second country in the world after USA to develop this device.

4. Prof. Gambhir is a dedicated teacher and an intense researcher. He has published over 110 original papers in national and international journals, contributed chapters in various text books besides editing 'Cardiology Update' under the aegis' of Cardiological Society of India in 2002. He has served as the Hon. Editor of Indian Heart Journal for six years (1995-2000) and a member of the Editorial Board of many indexed international cardiology journals. He was unanimously elected as the President of the Cardiological Society of India for 2002. He has been one of the founding members of the Indian College of Cardiology (ICC) and rose to the position of its President for the year 2007-08.

5. For his valuable contributions in the field of cardiology, Prof. Gambhir has been conferred the Honorary Fellowship of National Academy of Medical Sciences (FAMS, 2003), Indian College of Cardiology (FICC, 2005), Cardiological Society of India (FCSI, 2006) and College of Asian Pacific Society of Cardiology (2007). He was awarded Fellowship of the American College of Cardiology (FACC, 2008) and Fellowship of Society for Cardiovascular Angiography and Interventions, (SCAI, USA 2009).

6. Prof. Gambhir has received several honours and awards from various professional and social organizations including State Award by the Government of Delhi, "Life Time Achievement Award" from Delhi Medical Association, Searle Award from Cardiological Society of India and several other state branches of IMA. He was conferred "Distinguished Physician Award" from the Association of American Cardiologists of Indian Origin, USA (2002).